RANCHO®

Azoxystrobin 8.3% + Mancozeb 66.7% WG

(Systemic and Contact Fungicide)

For Agricultural use.

Azoxystrobin 8.3%+Mancozeb 66.7%WG is a systemic and contact fungicide used for the effective control of Powdery mildew, Downy mildew and Anthracnose of Grapes and Early blight and Late blight diseases of Tomato.

Recommendation :

Crop (s)	Common Name of the Diseases	Dosage			Crop stage	Re-entry period (hrs)	Pre-harvest-ing interval (days)	Frequency
		AI (% or g/ha)	Formulation (% or g/ha)	Water (Liter/ha)				
Grapes	Powdery mildew, Downy mildew and Anthracnose	(0.23%)	(0.30%)	750-1000	Vege-tative and Produ-ctive	24	21	1-3 sprays depending on disease intensity
Tomato	Early blight and Late blight	124.5+ 1000 g/ha	1500 g/ha	500	Vege-tative and Produ-ctive	24	6	1-3 sprays depending on disease intensity

Direction of use: For Agricultural use. Take the measured quantity of fungicide as per recommendation and add to it small quantity of water. Stir thoroughly using a wooden stick and then add the remaining quantity of water stir well to form final spray solution. **Dosage:** Grapes 3.00 g/Lit (0.30%, Tomato 1500 g/ha.
Manner and time of Application: Application should be done on appearance of disease symptoms on the crop by using high volume spray fitted with low drift hollow cone nozzle viz. Knapsack sprayer as per recommended dose. **Precautions:** 1. The spray man should use appropriate clothing like hat, long sleeved shirt, long pants and shoes. 2. Avoid contact with eyes and skin when handling the concentrate spray solution. Avoid inhalation of spray mist. Wash thoroughly with soap and water after handling. Do not eat, drink or smoke during application. 3. Remove the contaminated clothes and wash before reuse. Do not reuse empty containers. 4. Wash hands and exposed skin with soap and water before meals and after work. 5. After spray of this fungicides, the utensils should be thoroughly cleaned with plenty of soap and water. **Cautionary statement:** 1. Not to be used on crops and diseases other than those subscribed on label and leaflets. 2. Destroy the container after use as directed on leaflet. 3. The product is toxic to fish, aquatic organisms hence should not used near water bodies, aquaculture or pisciculture.
4. Dangerous to re-use empty container. Symptoms of poisoning: Causes eye, skin and respiratory irritation, vomiting, nausea, diarrhea and abdominal cramps. **First aid: 1. If ingested:** If person is conscious and alert, rinse mouth with water and give 1 or 2 glass of water to drink. Never give anything by mouth to an unconscious person. Call the doctor. Do not induce vomiting until and unless desired by attending physician.
2. If inhaled: Take the patient to fresh air and take care of body temperature. If patient is not breathing or breathing with difficulty, give artificial respiration, preferably with mouth breathing. Consult a physician. **3. In case of skin contact:** Wash thoroughly the affected parts of the body with soap and plenty of water including hairs and under finger nails. If pain, redness or irritation persists, consult a doctor. All the contaminated clothes should be segregated and thoroughly washed with soap and water separately before use. **4. In case of eye contact:** Rinse gently with plenty of water at least 15 minutes. If pain, irritation redness or photophobia persist then consult eye specialist.
Phytotoxicity: The product is non phytotoxic when used as per recommendation. **Antidote/ Advice to physicians:** No specific antidote is known. Treat symptomatically. **Disposal of Used Container:** 1. It shall be the duty of manufacturer, formulators of fungicides and operators to dispose off the washings and surplus materials in a safe manner so as to prevent environmental or water pollution. 2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use. 3. The package shall be broken and buried away from habitation. **Storage conditions:** 1. The packages containing fungicides should be stored in separate rooms or premises, away from the rooms or premises used for storing foodstuff, animal feed and fire. It should be kept in separate almirahs under lock and key depending upon quantity and nature of fungicide. 2. The rooms or premises should be well built, well lit, ventilated and of sufficient dimensions. The conditions of the store should be dry and cool. **Stages during which pesticides should not be applied on crops :** Product should be applied as per the crop recommendations. **Weather condition:** Do not apply fungicides just before rain and avoid spray during windy days. **Soil and water:** There should be sufficient moisture in the soil while spraying of fungicide. Clean water to be used in spray.
Application Technique: Application to be done during morning or evening time. Do not apply just before rain and avoid spray during windy days. At a time of application there should be sufficient moisture in the soil. It should be applied in crops, crop stage and with dosage as mentioned in recommendation. Maintain the frequency of application, pre-harvest interval and re-entry period as specify in recommendation. The mixing of fungicide to be done as mentioned in direction of uses. Application should be done by using high volume spray fitted with low drift nozzle as per the recommended dose viz. Knapsack sprayer, foot sprayer, compression knapsack sprayer and ASPEE-HTP power sprayer. **Application timing:** Application to be done during morning or evening time.

Chemical Composition:

Component	Content (% w/w)
Azoxystrobin a.i	8.30% w/w
Mancozeb a.i	66.70% w/w
Kraft lignin polymer	1.50% w/w
Sodium lauryl sulphate	2.50% w/w
Modified Alkyl napthalene sulphonate, sodium salt	2.50% w/w
Polydimethyl siloxane	0.50% w/w
Sodium ligno sulphonate	Q.S.% w/w
Total	**100.00% w/w**

Caution : Not to Be Used on Crops Other Than Specified on This Label/ Leaflet

English

रैन्को

अझोक्सिस्ट्रॉबीन ८.३% + मॅन्कोझेब ६६.७% डब्ल्यू.जी.

(अंतरप्रवाही एवम स्पर्शीय फफूंदीनाशक)

कृषि उपयोग के लिए।

अझोक्सिस्ट्रॉबीन ८.३% + मॅन्कोझेब ६६.७% डब्ल्यू.जी. एक अंतरप्रवाही एवं स्पर्शीय फफूंदीनाशक है जिसका प्रयोग अंगूर के चूर्णिल आसिता, मृदुरोमिल आसिता और रुक्ष रोग तथा टमाटर के अगेता अंगमारी और पछेता अंगमारी रोग के प्रभावी नियंत्रण के लिए किया जाता है।

उपयोग:

फसल	रोग का साधारण नाम	मात्रा			फसल अवस्था	पुनः प्रविष्टि (घंटे)	अन्तिम छिड़काव तथा फसल काटने के बीच अंतराल (दिन)	आवृत्ति
		स.त. (% या ग्रा./हेक्टेयर)	संरचना (% या ग्रा./हेक्टेयर)	पानी की मात्रा (लिटर/हेक्टेयर)				
अंगूर	चूर्णिल आसिता, मृदुरोमिल आसिता और रुक्ष रोग	(०.२३%)	(०.३०%)	७५०–१०००	शाखीय एवं फलधारणा	२४	२१	१–३ छिड़काव रोग की प्रभाव पर निर्भर
टमाटर	अगेता अंगमारी और पछेता अंगमारी	१२४.५ + १००० ग्रा/हेक्टेयर	१५०० ग्रा/हेक्टेयर	५००	शाखीय एवं फलधारणा	२४	६	१–३ छिड़काव रोग की प्रभाव पर निर्भर

उपयोग के लिए निर्देश: कृषि उपयोग के लिए। सिफारिश के अनुसार फफूंदीनाशक की मात्रा मापकर लें और इसमें थोड़ी मात्रा में पानी मिलाएं। एक लकड़ी की छड़ी का उपयोग कर अच्छी तरह से हिलाएं और फिर अन्तिम छिड़काव घोल बनाने के लिए पानी की शेष मात्रा को अच्छी तरह से मिलाएं।
मात्रा बनाने की विधि: अंगूर ३.०० ग्रा/लीटर (०.३०%), टमाटर १५०० ग्रा/ हैक्टेयर। **रीति और अनुप्रयोग का समय:** रोग के लक्षण दिखते ही फफूंदीनाशक का तुरंत सिफारिश के अनुसार कम बहाव वाले होलो कोन नोजल के साथ फिट किए गए च्छी वॉल्यूम स्प्रे जैसे नेपसेक स्प्रेयर, फुट स्प्रेयर, इत्यादि का उपयोग करके छिडकाव करना चाहिए। **प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियां:** १. स्प्रे करनेवाले को उचित कपड़े जैसे टोपी, लंबी आस्तीन वाली शर्ट, लंबी पैंट और जूते का उपयोग करना चाहिए। २. सांद्रकृत स्प्रे सॉल्यूशन को हैंडल करते समय आंखों और त्वचा के संपर्क से बचें। फफूंदीनाशक स्प्रे के अन्तःश्वसन से बचें। छूने के बाद साबुन और पानी से बहुत अच्छी तरह साफ करें। आवेदन के दौरान खाने, पीने या धूम्रपान न करें। ३. दूषित कपड़े निकालें और पुनः उपयोग करने से पहले धो लें। खाली कंटेनरों का पुनः उपयोग न करें। ४. भोजन से पहले और काम के बाद हाथों और उजागर त्वचा को साबुन और पानी से धोएं। ५. इस फफूंदनाशकों के स्प्रे के बाद, बरतनों को खूब साबुन और पानी से अच्छी तरह साफ करना चाहिए। **सावधानियां कथन:** १. लेबल और पर्चों पर जो अभिदत है, उससे भिन्न अन्य प्रयोजन अथवा फसलों में उपयोग के लिए नहीं है। २. पर्चों के निर्देशानुसार उपयोग के पश्चात् आद्यान को नष्ट करें। ३. यह उत्पाद मछलियों, जलीय जीवों के लिए जहरीला है, इसलिए जल निकायों, जलीय कृषि के पास इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। **४. खाली कंटेनर का फिर से उपयोग करना खतरनाक है। विषाक्तीकरण के लक्षण:** आंख, त्वचा और श्वसन में जलन, उल्टी, मतली, दस्त और पेट में ऐंठन। **प्राथमिक चिकित्सा: १. अगर निगला हो तो–** यदि व्यक्ति सचेत और सतर्क है, तो पानी से मुंह कुल्ला करें और पीने के लिए १ या २ गिलास पानी दें। एक बेहोश व्यक्ति को मुंहसे कुछ भी नहीं दे। डॉक्टर को बुलाएं। जब तक उपस्थित चिकित्सक द्वारा सुचना देने तक उल्टी प्रेरित न करें। **२. अगर सांस से गया हो तो–** रोगी को ताजी हवा में ले जाएं और शरीर के तापमान का ख्याल रखें। यदि रोगी साँस नहीं ले रहा है या कठिनाई से साँस ले रहा है, तो कृत्रिम श्वसन दें, अधिमानतः मुँह से साँस दे। एक चिकित्सक से परामर्श करें। **३. त्वचा के संपर्क के मामले में–** साबुन और बहुत सारे पानी से धोएं। यदि दर्द, लाली या जलन बनी रहती है, तो डॉक्टर से परामर्श करें। सभी दूषित कपड़ों को अलग–अलग रखना चाहिए और उपयोग करने से पहले साबुन और पानी से अच्छी तरह से धोना चाहिए। **४. आंखों के संपर्क के मामले में–** आंखों को कम से कम १५ मिनट के लिए साफ पानी के साथ धीरे धोएं। यदि दर्द, जलन लाली और प्रकाश की असहनीयता बनी रहती है तो नेत्र रोग विशेषज्ञ से सलाह लें। **पौध विषाक्तता:** सिफारिश के अनुसार उपयोग किए जाने पर यह उत्पाद पौध विषाक्त नहीं है। **विषनिवारक / चिकित्सकों को सलाह:** कोई विशिष्ट विषनिवारक ज्ञात नहीं है। लाक्षणिक उपचार करें। **खाली डिब्बों का निपटारा:** १. यह निर्माता, फफूंदीनाशक निर्माता और ऑपरेटर का कर्तव्य है की धोवन और अधिशेष सामग्री आदि का निपटान सुरक्षित रूप से करें, जिससे पर्यावरण और पानी में प्रदूषण न हो। २. उपयोग किए जा चुके पैकेजों को बाहर नहीं छोड़ना चाहिए, जिससे इनका पुनरुपयोग न हो सके। ३. पैकेज को तोड़ दिया जाना चाहिए और उसे बस्ती से दूर गाड़ दिया जाना चाहिए। **संग्रहण की शर्तें:** १. फफूंदनाशक युक्त पैकेजों को उसके स्वरूप और मात्रानुसार अलग कमरे या परिसर में संग्रहीत करना चाहिए, जो अन्य सामानों विशेषकर खाद्य पदार्थों और पशु चारे को संग्रहीत करने के लिए उपयोग किए जाने वाले कमरे या परिसर से दूर रहे और इसे ताले चाबी के तहत अलग अलमारी में रखना चाहिए। २. फफूंदनाशक भंडारण वाला कमरा या परिसर अच्छी तरह से प्रकाशित, अच्छी तरह हवादार और वाष्प से संदूषण से बचने के लिए पर्याप्त आयाम का होना चाहिए। **चरण जिसके दौरान किसी भी फसल पर फफूंदीनाशक नहीं लगाया जाना चाहिए :** उत्पाद का उपयोग केवल सिफारिशों के अनुसार किया जाना चाहिए। **मौसम की स्थिति:** बारिश से ठीक पहले फफूंदीनाशक का छिड़काव न करें और हवा चलने वाले दिनों में भी छिड़काव करने से बचें। **मिट्टी और पानी:** फफूंदीनाशक का छिड़काव करते समय मिट्टी में उचित नमी होनी चाहिए। छिडकाव के लिए साफ पानी का उपयोग करें। **आवेदन तकनीक:** फफूंदनाशक का छिड़काव सुबह या शाम के समय करना चाहिए। बारिश से ठीक पहले छिड़काव न करें और तेज हवा चलने वाले दिनों में छिड़काव से बचें। छिड़काव करते समय मिट्टी में उचित नमी होनी चाहिए। इसे फसलों, फसल की अवस्था और खुराक के साथ सिफारिश के अनुसार उपयोग किया जाना चाहिए। सिफारिश में निर्दिष्ट अनुसार उपयोग की आवृत्ति, अन्तिम छिड़काव तथा फसल काटने के बीच अंतराल और पुनः प्रवेश की अवधि बनाए रखें। फफूंदनाशक का मिश्रण उपयोग के निर्देश में उल्लिखित के अनुसार होना चाहिए। सिफारिश की गई खुराक के अनुसार कम बहाव वाले नोजल के साथ फिट किए गए उच्च वॉल्यूम स्प्रे जैसे नेपसेक स्प्रेयर, फुट स्प्रेयर, कम्प्रेशन नेपसेक स्प्रेयर और ए. एस. पी. ई. ई. – एच. टी. पी. पावर स्प्रेयर का उपयोग करना चाहिए। **आवेदन का समय:** फफूंदनाशक का छिड़काव सुबह या शाम के समय करना चाहिए।

रासायनिक संरचना:

घटक	प्रमाण (% भार/भार)
अझोक्सिस्ट्रॉबीन स. त.	८.३०% भार/भार
मॅन्कोझेब स. त.	६६.७०% भार/भार
क्राफ्ट लिग्निन पॉलीमर	१.५०% भार/भार
सोडियम लॉरिल सल्फेट	२.५०% भार/भार
मॉडिफाइड अल्काइल नेफ्थालीन सल्फोनेट, सोडियम सॉल्ट	२.५०% भार/भार
पॉली डायमिथिल सिलोक्जेन	०.५०% भार/भार
सोडियम लिग्नो सल्फोनेट	पर्याप्त मात्रा% भार/भार
कुल	**१००.००% भार/भार**

चेतावनी: पत्रिका व लेबल में दिये हुए फसलों के अलावा अन्य के लिए उपयोगित नहीं है।

Hindi

रँचो

ॲझोक्सीस्ट्रोबिन ८.३% + मॅंकोझेब ६६.७% डब्ल्युजी

(दैहिक आणि स्पर्शिक बुरशीनाशक)

शेतीच्या वापरासाठी.

ॲझोक्सीस्ट्रोबिन ८.३% + मॅंकोझेब ६६.७% डब्ल्युजी हे एक स्पर्शजन्य आणि अंतरप्रवाही बुरशीनाशक आहे ज्याचा वापर द्राक्षांवरील चूर्णमुरीवर, तंतूमुरीवर आणि कवडी रोगावर आणि टोमॅटोवरील लवकर येणारा करपा आणि उशिरा येणारा करपा या रोगांवर प्रभावी नियंत्रण आणण्यासाठी केला जातो.

शिफारसी :

पीक (पिके)	रोगांचे सामान्य नाव	मात्रा			पीकावस्था	पुन:प्रवेश कालावधी (तास)	कापणीपूर्व कालांतर (दिवस)	वारंवारता
		क्रि.घ. (ग्रॅम/हेक्टर)	सूत्रीकरण (ग्रॅम/हेक्टर)	पाणी (लीटर/हेक्टर)				
द्राक्ष	चूर्णमुरी, तंतूमुरी आणि कवडी रोग	२.२५ ग्रॅम/लि. (०.२३%)	3.00 ग्रॅम/लि. (०.३०%)	७५० ते १००० पिकाच्या आच्छादनाप्रमाणे	शाकीय आणि उत्पादक	२४	२१	रोगाच्या तीव्रतेनुसार १ ते ३ फवारण्या
टोमॅटो	लवकर येणारा करपा आणि उशिरा येणारा करपा	१२४.५ + १००० ग्रॅम/हेक्टर	१५०० ग्रॅम/हेक्टर	५००	शाकीय आणि उत्पादक	२४	६	रोगाच्या तीव्रतेनुसार १ ते ३ फवारण्या

वापरासाठीचे निर्देश : शेतीच्या वापरासाठी. बुरशीनाशक शिफारसीनुसार मोजून घ्या आणि त्यात थोडे पाणी घाला. लाकडी काठीने नीट ढवळा आणि मग उरलेले पाणी घालून अंतिम फवारणीचे द्रावण तयार करायला नीट ढवळा.
प्रमाण: द्राक्ष ३.०० ग्रॅ/लिटर (०.३०%), टोमॅटो १५०० ग्रॅ/हे. **वापराची पद्धत आणि वेळ :** वापर रोगाची लक्षणे पिकावर दिसून आली की करावा. वापर सुचवलेल्या मात्रेमध्ये लो ड्रिफ्ट नोझल बसवलेले उच्च आकारमानाचे स्प्रेयर म्हणजे नॅपसॅक स्प्रेयर, फुट स्प्रेयर, कंप्रेशन नॅपसॅक स्प्रेयर आणि अस्पी–एचटीपी पॉवर स्प्रेयर वापरून करावा. **खबरदाऱ्या :** १. फवारणी करणाऱ्या माणसाने यथायोग्य वस्त्रे वापरायला हवीत, उदा. टोपी, लांब बाहीचा शर्ट, मोठी विजार आणि शूज. २. संहृत फवारणीचे द्रावण हाताळताना ते डोळ्यांत जाऊ देऊ नका आणि त्वचेवर सांडू देऊ नका. फवारणीचे धुके हुंगणे टाळा. हाताळणीनंतर साबणाने आणि पाण्याने स्वच्छ धुवून काढा. वापरादरम्यान काहीही खाऊ, पिऊ नका किंवा धूम्रपान करू नका. ३. दूषित कपडे काढा आणि पुन्हा वापरण्यापूर्वी धुवून घ्या. रिकामे कंटेनर पुन्हा वापरू नका. ४. खाण्यापूर्वी आणि काम झाल्यानंतर हात आणि दूषित त्वचा साबणाने आणि पाण्याने धुवून घ्या. ५. हे बुरशीनाशक फवारल्यानंतर, भांडी साबणाने आणि मुबलक पाण्याने स्वच्छ धुवून घ्यावीत.
खबरदारीचे विधान : १. या लेबलवर / पत्रकात निर्दिष्ट पिकांखेरीज इतर कुठेही वापर करू नये. २. वापरानंतर पत्रकात दिलेल्या सूचनेनुसार कंटेनर नष्ट करा. ३. हे उत्पादन जलचरांसाठी विषारी आहे आणि म्हणूनच हे जलाशयाजवळ, जलीय संवर्धाच्या किंवा मत्स्यपालनाच्या जागेजवळ वापरू नये. **४. रिकामे कंटेनर पुन्हा वापरणे धोक्याचे आहे. विषबाधेची लक्षणे :** डोळ्यांना, त्वचेला आणि श्वसनमार्गाला जळजळ होते, उलटी, मळमळ, अतिसार आणि पोटात गोळे येतात. **प्रथमोपचार : १. पोटात गेल्यास :** माणूस शुद्धीत असेल आणि सावध असेल तर पाण्याने चूळ टाका आणि १–२ पेले पाणी प्यायला द्या. बेशुद्ध व्यक्तीला कधीही तोंडावाटे काहीही देऊ नका. डॉक्टरांना बोलवा. इलाज करणाऱ्या डॉक्टरांनी सांगितल्याशिवाय आणि सांगेपर्यंत उलटी काढू नका. **२. हुंगल्यास :** रुग्णाला मोकळ्या हवेत न्या आणि शरीराचे तापमान जपा. जर रुग्ण श्वास घेत नसेल किंवा श्वास धेण्यास त्याला त्रास होत असेल तर कृत्रिम श्वसन द्या, शक्यतो तोंडावाटे तोंडामधून. डॉक्टरांचा सल्ला घ्या. **३. त्वचेवर सांडल्यास :** बाधित अवयव साबणाने आणि मुबलक पाण्याने धुवून काढा, अगदी केस आणि नखांखालीसुद्धा. वेदना, लालसरपणा किंवा जळजळ कायम राहिल्यास, डॉक्टरांचा सल्ला घ्या. सर्व दूषित कपडे वेगळे करून पुन्हा वापरण्यापूर्वी साबणाने आणि पाण्याने स्वच्छ धुवून घ्या. **४. डोळ्यांत गेल्यास :** भरपूर पाण्याने किमान १५ मिनिटे हबके मारत राहा. जर वेदना, लालसरपणा आणि जळजळ कायम राहिली आणि प्रकाशसंवेदनशीलता होत राहिली, तर नेत्रचिकित्सकाचा सल्ला घ्या.
वनस्पतिविषजन्यता : हे उत्पादन शिफारसीनुसार वापरल्यास वनस्पतींसाठी विषारी नाही. **उतारा :** विशिष्ट उतारा नाही, लक्षणानुसार उपचार करा.
वापरलेल्या कंटेनरची विल्हेवाट : १. उर्वरित पदार्थ आणि धुवणे ह्यांची सुरक्षित पद्धतीने, पर्यावरणाचे किंवा पाण्याचे प्रदूषण होणार नाही अशा रीतीने विल्हेवाट लावणे हे उत्पादकांचे, बुरशीनाशकाच्या सूत्रीकर्त्यांचे आणि वापरकर्त्यांचे कर्तव्य असेल.२. वापरलेले पॅकेजेस पुन्हा वापरली जाऊ नयेत ; म्हणून ती बाहेर सोडून देऊ नये. ३. वापरलेली पॅकेजेस मोडून मानवी वस्तीपासून दूर नेऊन पुरावीत. **साठवणीसाठीच्या सूचना :** १. बुरशीनाशक असलेली पॅकेजेस इतर वस्तू विशेषतः अन्नपदार्थ, पशुखाद्य साठवायच्या खोल्यांपासून किंवा वास्तूंपासून आणि आगीपासून दूर वेगळ्या खोल्यांमध्ये किंवा वास्तूंमध्ये साठवावीत. बुरशीनाशकाच्या स्वरूपानुसार आणि प्रमाणानुसार ती वेगळ्या कुलूपबंद कपाटामध्ये ठेवावीत. २. खोल्या किंवा वास्तू सुबद्ध, सुप्रकाशित आणि हवेशीर असाव्यात व पुरेशा मोजमापाच्या असाव्यात. साठवणीची अवस्था कोरडी आणि थंड असावी. **पिकांवर बुरशीनाशक फवारू नयेत अशा अवस्था:** उत्पादन पिकांच्या शिफारसीनुसार वापरावे. **हवामानाची परिस्थिती :** बुरशीनाशके पाऊस पडायच्या आधी फवारू नका आणि वादळी दिवसांत फवारणे टाळा. **माती आणि पाणी :** बुरशीनाशक फवारतेवेळी मातीमध्ये पुरेसा ओलावा असायला हवा. फवारणीसाठी स्वच्छ पाणी वापरावे. **वापराचे तंत्र :** वापर सकाळी किंवा संध्याकाळच्या वेळी करावा. पाऊस पडायच्या आधी फवारू नका आणि वादळी दिवसांत फवारणे टाळा. वापराच्या वेळी मातीमध्ये पुरेसा ओलावा असायला हवा. शिफारसींत उल्लेख केल्यानुसार सुचवलेल्या पिकांवर, पीकावस्थेमध्ये आणि मात्रेमध्ये वापर करावा. वापराची वारंवारता, कापणीपूर्व कालांतर आणि पुन:प्रवेश कालावधी शिफारसीत मांडल्याप्रमाणे पाळा. बुरशीनाशकाचे मिश्रण वापराच्या निर्देशांमध्ये सांगितल्यानुसार करावे. वापर लो ड्रिफ्ट (कमी झोताचे) नोझल बसवलेला उच्च आकारमानाचा स्प्रेयर (नॅपसॅक स्प्रेयर, फुट स्प्रेयर, कंप्रेशन नॅपसॅक स्प्रेयर आणि अस्पी–एचटीपी पॉवर स्प्रेयर) घेऊन सुचवलेल्या मात्रेत करावा. **वापराच्या वेळा :** वापर सकाळी आणि संध्याकाळच्या वेळी करावा.

रासायनिक संघटन:

संघटन	प्रमाण (% व/व)
ॲझॉक्सीस्ट्रोबिन क्रि.घ.	८.३०% व/व
मॅंकोझेब क्रि.घ.	६६.७०% व/व
क्राफ्ट लिग्निन पॉलीमर	१.५०% व/व
सोडियम लॉरील सल्फेट	२.५०% व/व
सुधारित अल्काइल नाफ्थालीन सल्फोनेट, सोडियम क्षार	२.५०% व/व
पॉलीडायमिथाइल सायलोक्झेन	०.५०% व/व
सोडियम लिग्नो सल्फोनेट	पूरक % व/व
एकूण	**१००.००% व/व**

खबरदारी : या लेबलवर / पत्रकात निर्दिष्ट पिकांखेरीज इतर कुठेही वापर करू नये.

Marathi

रेन्यो

ॲग्रोक्सीस्ट्रोबिन ८.३% + मेनकोझेब ६६.७% डब्ल्युजी

(अंतर्वाही आणे स्पर्शीय बूशनाशक)

कृषि संबंधित उपयोग मात्रे.

ॲग्रोक्सीस्ट्रोबिन ८.३% + मेनकोझेब ६६.७% डब्ल्युजी हे ॲक्ट अंतर्वाही आणे स्पर्शीय बूशनाशक छे, ज्येनो उपयोग द्राक्षना पाकमां पाउडरी माईल्ड्यू, डाऊनी माईल्ड्यू आने ॲन्थ्रेक्नोज तथा टामेटाना पाकमां अर्ली ब्लाइट आने लेट ब्लाइट ज्येवा रोगोनुं नियंत्रण करवा माटे थाय छे.

भलामण:

पाक	कीटकनुं सामान्य नाम	मात्रा			पाकनो तबक्को	इतीही पूर्वी (तासो)	पाकनुं कापणी मांदलो दिवसोन (रोजसो)	वारंवारता
		स.त. (ग्राम/हेक्टर)	सूत्रीकरण (ग्राम/हेक्टर)	पाणी (लिटर/हेक्टर)				
द्राक्ष	पाउडरी माईल्ड्यू, डाऊनी माईल्ड्यू, अने ॲन्थ्रेक्नोज	२.२५ ग्राम/लि. (०.२३%)	3.00 ग्राम/लि. (0.30%)	७५०-१००० पाडवानी आदतमां 750-100	वनस्पतिनो अने उत्पादक	२४	२१	रोगनी तीव्रता पर आधार राखीने १–३ छंटकाव
टामेटा	अर्ली ब्लाइट अने लेट ब्लाइट	१२४.५ + १००० ग्राम/हेक्टर	१५०० ग्राम/हेक्टर	५००	शाकीय आणि उत्पादक	२४	६	रोगनी तीव्रता पर आधार राखीने १–३ छंटकाव

उपयोग संबंधित मार्गदर्शन: कृषि संबंधित उपयोगेन माटे. भलामण करवामां आव्यां मुजब बूशनाशकने मापेली मात्रामां लो अने तेमां थोडी मात्रामां पाणी उमेरो. लाकडीनो उपयोग करीने तेने सारी रीते हलावो अने त्यारबाद बाकीनुं पाणी तेमां उमेरी दो, छंटकाव माटेनुं अंतिम द्रावण तैयार करवा माटे तेने सारी रीते हलावो. **मात्रा:** द्राक्ष ३.०० ग्राम/लिटर (०.३०%), टामेटा १५०० ग्राम/हे. **छंटकावनी रीत अने समय:** पाक पर रोगना लक्षणो देखाताननी साथे ज तेनो छंटकाव करवो जोईअे. आ छंटकाव भलामणा करवामां आवेली मात्रा मुजब ओछा प्रवाहवाळुं पोलुं शंकु आकारनुं नाळचुं धरावता हाई वोल्युम स्प्रेनो उपयोग करीने करवो जोईअे, जेम के, नेपसेक स्प्रेयर, फुट स्प्रेयर, कंप्रेशन नॅपसॅक स्प्रेयर आणि अस्पी–एचटीपी पॉवर स्प्रेयर वापरून करावा. **खबरदाऱ्या :** १. फवारणी करणाऱ्या माणसाने यथायोग्य वस्त्रे वापरायला हवीत, उदा. टोपी, लांब बाहीचा शर्ट, मोठी विजार आणि शूज. २. संहृत फवारणीचे द्रावण हाताळताना ते डोळ्यांत जाऊ देऊ नका आणि त्वचेवर सांडू देऊ नका. फवारणीचे धुके हुंगणे टाळा. हाताळणीनंतर साबणाने आणि पाण्याने स्वच्छ धुवून काढा. वापरादरम्यान काहीही खाऊ, पिऊ नका किंवा धूम्रपान करू नका. ३. दूषित कपडे काढा आणि पुन्हा वापरण्यापूर्वी धुवून घ्या. रिकामे कंटेनर पुन्हा वापरू नका. ४. खाण्यापूर्वी आणि काम झाल्यानंतर हात आणि दूषित त्वचा साबणाने आणि पाण्याने धुवून घ्या. ५. हे बुरशीनाशक फवारल्यानंतर, भांडी साबणाने आणि मुबलक पाण्याने स्वच्छ धुवून घ्यावीत.
खबरदारीचे विधान : १. या लेबलवर / पत्रकात निर्दिष्ट पिकांखेरीज इतर कुठेही वापर करू नये. २. वापरानंतर पत्रकात दिलेल्या सूचनेनुसार कंटेनर नष्ट करा. ३. हे उत्पादन जलचरांसाठी विषारी आहे आणि म्हणूनच हे जलाशयाजवळ, जलीय संवर्धाच्या किंवा मत्स्यपालनाच्या जागेजवळ वापरू नये. **४. रिकामे कंटेनर पुन्हा वापरणे धोक्याचे आहे. विषबाधेची लक्षणे :** डोळ्यांना, त्वचेला आणि श्वसनमार्गाला जळजळ होते, उलटी, मळमळ, अतिसार आणि पोटात गोळे येतात. **प्रथमोपचार : १. पोटात गेल्यास :** माणूस शुद्धीत असेल आणि सावध असेल तर पाण्याने चूळ टाका आणि १–२ पेले पाणी प्यायला द्या. बेशुद्ध व्यक्तीला कधीही तोंडावाटे काहीही देऊ नका. डॉक्टरांना बोलवा. इलाज करणाऱ्या डॉक्टरांनी सांगितल्याशिवाय आणि सांगेपर्यंत उलटी काढू नका. **२. हुंगल्यास :** रुग्णाला मोकळ्या हवेत न्या आणि शरीराचे तापमान जपा. जर रुग्ण श्वास घेत नसेल किंवा श्वास धेण्यास त्याला त्रास होत असेल तर कृत्रिम श्वसन द्या, शक्यतो तोंडावाटे तोंडामधून. डॉक्टरांचा सल्ला घ्या. **३. त्वचेवर सांडल्यास :** बाधित अवयव साबणाने आणि मुबलक पाण्याने धुवून काढा, अगदी केस आणि नखांखालीसुद्धा. वेदना, लालसरपणा किंवा जळजळ कायम राहिल्यास, डॉक्टरांचा सल्ला घ्या. सर्व दूषित कपडे वेगळे करून पुन्हा वापरण्यापूर्वी साबणाने आणि पाण्याने स्वच्छ धुवून घ्या. **४. डोळ्यांत गेल्यास :** भरपूर पाण्याने किमान १५ मिनिटे हबके मारत राहा. जर वेदना, लालसरपणा आणि जळजळ कायम राहिली आणि प्रकाशसंवेदनशीलता होत राहिली, तर नेत्रचिकित्सकाचा सल्ला घ्या.
वनस्पतिविषजन्यता : हे उत्पादन शिफारसीनुसार वापरल्यास वनस्पतींसाठी विषारी नाही. **उतारा :** विशिष्ट उतारा नाही, लक्षणानुसार उपचार करा.
वापरलेल्या कंटेनरची विल्हेवाट : १. उर्वरित पदार्थ आणि धुवणे ह्यांची सुरक्षित पद्धतीने, पर्यावरणाचे किंवा पाण्याचे प्रदूषण होणार नाही अशा रीतीने विल्हेवाट लावणे हे उत्पादकांचे, बुरशीनाशकाच्या सूत्रीकर्त्यांचे आणि वापरकर्त्यांचे कर्तव्य असेल.२. वापरलेले पॅकेजेस पुन्हा वापरली जाऊ नयेत ; म्हणून ती बाहेर सोडून देऊ नये. ३. वापरलेली पॅकेजेस मोडून मानवी वस्तीपासून दूर नेऊन पुरावीत. **साठवणीसाठीच्या सूचना :** १. बुरशीनाशक असलेली पॅकेजेस इतर वस्तू विशेषतः अन्नपदार्थ, पशुखाद्य साठवायच्या खोल्यांपासून किंवा वास्तूंपासून आणि आगीपासून दूर वेगळ्या खोल्यांमध्ये किंवा वास्तूंमध्ये साठवावीत. बुरशीनाशकाच्या स्वरूपानुसार आणि प्रमाणानुसार ती वेगळ्या कुलूपबंद कपाटामध्ये ठेवावीत. २. खोल्या किंवा वास्तू सुबद्ध, सुप्रकाशित आणि हवेशीर असाव्यात व पुरेशा मोजमापाच्या असाव्यात. साठवणीची अवस्था कोरडी आणि थंड असावी. **पिकांवर बुरशीनाशक फवारू नयेत अशा अवस्था:** उत्पादन पिकांच्या शिफारसीनुसार वापरावे. **हवामानाची परिस्थिती :** बुरशीनाशके पाऊस पडायच्या आधी फवारू नका आणि वादळी दिवसांत फवारणे टाळा. **माती आणि पाणी :** बुरशीनाशक फवारतेवेळी मातीमध्ये पुरेसा ओलावा असायला हवा. फवारणीसाठी स्वच्छ पाणी वापरावे. **वापराचे तंत्र :** वापर सकाळी किंवा संध्याकाळच्या वेळी करावा. पाऊस पडायच्या आधी फवारू नका आणि वादळी दिवसांत फवारणे टाळा. वापराच्या वेळी मातीमध्ये पुरेसा ओलावा असायला हवा. शिफारसींत उल्लेख केल्यानुसार सुचवलेल्या पिकांवर, पीकावस्थेमध्ये आणि मात्रेमध्ये वापर करावा. वापराची वारंवारता, कापणीपूर्व कालांतर आणि पुन:प्रवेश कालावधी शिफारसीत मांडल्याप्रमाणे पाळा. बुरशीनाशकाचे मिश्रण वापराच्या निर्देशांमध्ये सांगितल्यानुसार करावे. वापर लो ड्रिफ्ट (कमी झोताचे) नोझल बसवलेला उच्च आकारमानाचा स्प्रेयर (नॅपसॅक स्प्रेयर, फुट स्प्रेयर, कंप्रेशन नॅपसॅक स्प्रेयर आणि अस्पी–एचटीपी पॉवर स्प्रेयर) घेऊन सुचवलेल्या मात्रेत करावा. **वापराच्या वेळा :** वापर सकाळी आणि संध्याकाळच्या वेळी करावा.

रासायनिक संघटन:

संघटन	प्रमाण (% व/व)
ॲझॉक्सीस्ट्रोबिन क्रि.घ.	८.३०% व/व
मॅंकोझेब क्रि.घ.	६६.७०% व/व
क्राफ्ट लिग्निन पॉलीमर	१.५०% व/व
सोडियम लॉरील सल्फेट	२.५०% व/व
सुधारित अल्काइल नाफ्थालीन सल्फोनेट, सोडियम क्षार	२.५०% व/व
पॉलीडायमिथाइल सायलोक्झेन	०.५०% व/व
सोडियम लिग्नो सल्फोनेट	पूरक % व/व
एकूण	**१००.००% व/व**

चेतावणी: या लेबलवर / पत्रकात निर्दिष्ट पिकांखेरीज इतर कुठेही वापर करू नये.

Gujarati

रैंचो

अॅजोक्सीस्ट्रोबिन ८.३% + मेनकोझेब ६६.७% डब्ल्युजी

(अंतर्वाही अने स्पर्शीय बूशनाशक)

कृषि संबंधित उपयोग माटे.

अॅजोक्सीस्ट